



उत्तराखण्ड सरकार

सूचना ब्यूरो

(सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग)

मुख्यमंत्री आवास, न्यू कैंट रोड़, देहरादून

E-mail : infodirector.uk@gmail.com

Website : www.uttarainformation.gov.in

देहरादून 20 अप्रैल, 2017(सू.ब्यूरो)

प्रेस नोट-03(04/82)

वनाग्नि मॉक अभ्यास

राज्य के वनाच्छादित क्षेत्रों में वनाग्नि सम्बन्धित घटनाओं में न्यूनता व वन सम्पदा की क्षति को कम करने के साथ ही विभिन्न विभागों के बीच समन्वयन को बढ़ाने के उद्देश्य से आपदा प्रबन्धन विभाग के द्वारा 20 अप्रैल, 2017 को राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, भारत सरकार के सहयोग से वनाग्नि सम्बन्धित मॉक अभ्यास (Mock Exercise) का आयोजन किया गया। वन विभाग सहित राज्य के सभी विभागों में इस अभ्यास में भाग लिया। साथ ही इस अभ्यास में सेना, आई.टी. बी.पी., एस.एस.बी., सी.आर.पी.एफ. व एन.डी.आर.एफ. ने भी भाग लिया। इस अभ्यास की प्रभाविकता को आंकने के लिये सेना द्वारा इंडिपेन्डेन्ट ऑब्जर्वर भी रखे गये थे।

दरअसल, इस प्रकार के अभ्यास उत्तराखण्ड जैसे राज्य के लिये इसलिये भी आवश्यक हैं क्योंकि एक तो यहाँ का ज्यादा भू-भाग वनाच्छादित है और दूसरा यह कि चीड़ की बहुतायत के कारण यहाँ के जंगल वनाग्नि की दृष्टि से काफी संवेदनशील हैं। साथ ही समय-समय पर इस प्रकार के अभ्यासों से सिस्टम में व्याप्त कमियों को आंकलित करने के साथ ही पूरा का पूरा तंत्र घटना विशेष की स्थिति में रिस्पॉस के प्रति सदैव सजग रहता है।

काबिलेगौर है कि विगत कुछ दशकों से मौसम सम्बन्धित घटनाओं में नाटकीय तबदीलियाँ देखने में आ रही हैं जिससे वनाग्नि सम्बन्धित घटनाओं में अच्छी-खासी बढ़ोत्तरी हुयी है। वर्तमान में गीष्म ऋतु अपने चरम में है ऐसे में वनाग्नि सम्बन्धित घटनाओं को न्यून किये जाने के साथ ही पूर्व-तैयारियों का उच्च स्तर सुनिश्चित किया जाना नितान्त आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि इंडीपेन्डेन्ट रिस्पॉस सिस्टम के आधार पर वनाग्नि के विशेष सन्दर्भ में मॉक अभ्यास आयोजित करने वाला उत्तराखण्ड देश का पहला राज्य है।

राज्य के सभी जनपदों में आयोजित इस मॉक अभ्यास के दौरान होने वाली प्रत्येक गतिविधि की सूचनाओं का एकत्रीकरण राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र में किया गया और आवश्यकता पडने पर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये गये। जनपदों में विभिन्न स्थानों पर वनाग्नि की सूचनायें प्राप्त होते ही स्थानीय प्रशासन, वन विभाग एवं अग्नि शमन की टीमों अत्याधुनिक उपकरणों के साथ प्रभावित स्थल पर पहुँचे। विशेष आवश्यकता की स्थिति में एन.डी.आर.एफ. और एस.डी.आर.एफ. की भी मदद ली गयी। मॉक अभ्यास में भौगोलिक सूचना प्रणाली (जी.आई.एस.) का उपयोग करते हुये दुर्गम स्थानों पर आग पर नियंत्रण पाने हेतु हैलीकैप्टरों का प्रयोग भी किया गया। कुशल प्रबन्धन और दक्षता के बल पर सभी जनपदों द्वारा वनाग्नि पर सकुशल नियंत्रण पा लिया गया।

मॉक अभ्यास के दौरान विभिन्न जनपदों के आरक्षित एवं पंचायती वनों के 33 स्थानों पर वनाग्नि की सिमुलेशन क्रीएट की गयी। आग की इन घटनाओं में विभिन्न जनपदों की लगभग 4.50 हेक्टेयर वन सम्पदा जल कर नष्ट होनी आंकलित की गयी। इन घटनाओं में 03 व्यक्तियों की मृत्यु एवं 80 व्यक्तियों के घायल होने के साथ ही 45 जानवरों के भी घायल होने की सूचना प्राप्त की गयी। घायल व्यक्तियों को त्वरित प्रभाव से स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया जबकि घायल जानवरों के लिये वैटनरी एवं पशुपालन विभाग द्वारा ट्रीटमेन्ट की कार्यवाही की गयी।

मॉक अभ्यास में राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, भारत सरकार के सलाहकार मे. जनरल वी. के. दत्ता (से. नि), सचिव आपदा प्रबन्धन श्री अमित नेगी, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के सी.सी.एफ. श्री आर. के मिश्रा, श्री एस. पी. सुबुद्धि, सी. सी.एफ., इंडीपेन्डेन्ट रिस्पॉस सिस्टम विशेषज्ञ श्री बी. बी. गणनायक के साथ ही आपदा प्रबन्धन, वन विभाग, पुलिस, अग्निशमन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, सैन्य बल, एन.डी.आर.एफ., एस.डी.आर.एफ., भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल, सूचना विभाग, नागरिक सुरक्षा, लोक निर्माण विभाग, पशुधन, विद्युत तथा अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

मॉक अभ्यास के उपरान्त फॉयर टेन्डर, डी.एन.ए. सैम्पलिंग, बर्फ की सिल्ली, ग्लब्ज, मॉस्क, बूट्स, घायलों (व्यक्ति तथा जानवर) के उचित इलाज के साथ ही फॉयर फाइटिंग फोर्स को बढ़ाये जाने पर सहमति बनी। साथ ही मिस्ट और ब्लोअर जैसे तकनीकी उपकरणों को भी जनपदों को उपलब्ध करवाये जाने की संस्तुति की गयी। लेटेस्ट उपकरणों आवश्यकता एवं प्रशिक्षण के सम्बन्ध में एन.डी.आर.एफ., एस.डी.आर.एफ. द्वारा पूर्ण सहयोग दिये जाने की बात कही गयी।

इस मॉक अभ्यास की सफलता के बाद राज्य में मानसून अवधि में प्रायः होने वाले भू-स्खलनों के विशेष सन्दर्भ में मॉक अभ्यास किये जाने पर भी सहमति बनी।

वीरेन्द्र सिंह, मीडिया प्रभारी : 7055007014

देहरादून 20 अप्रैल, 2017(सू.ब्यूरो)

प्रेस नोट-02(04/81)

गुरुवार को मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने अपने सरकारी वाहन से लालबत्ती हटा दी है। उन्होंने कहा कि "लालबत्ती कल्चर को समाप्त करने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है, और इसी क्रम में मेरी गाड़ी से आज से लालबत्ती हटा दी गई है"।

विधानसभा अध्यक्ष व प्रदेश सरकार के सभी मंत्रियों द्वारा अपनी-अपनी गाड़ियों से लालबत्ती हटा दिए जाने पर मुख्यमंत्री श्री रावत ने सभी का आभार व्यक्त किया है।

देहरादून 20 अप्रैल, 2017(सू.ब्यूरो)

प्रेस नोट-01(04/80)

गुरुवार को मुख्य अभियन्ता, बी.आर.ओ. ऋषिकेश, ब्रिगेडियर, श्री यू.सी. मेहता ने मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत से मुख्यमंत्री आवास में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री रावत ने ब्रिगेडियर श्री मेहता से बी.आर.ओ. के अधीन राज्य की सड़कों के विषय में चर्चा की। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा को देखते हुए चारधाम यात्रा मार्गों को समय पर दुरुस्त होना आवश्यक है। इस पर ब्रिगेडियर श्री मेहता ने कहा कि चारधाम यात्रा मार्गों की स्थिति काफी अच्छी है, उन्होंने आश्वासन दिया कि जहां-जहां समस्या है, यात्रा शुरू होने से पहले उन स्थानों में सड़को को दुरुस्त कर दिया जाएगा।

रवि बिजारनियां, सहायक निदेशक : 7055007012